...**(व्यवधान)**... देश की समस्याएँ जो हमने विरासत में ली हैं...**(व्यवधान)**... और अब समय आ गया है कि ...**(व्यवधान)**... कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करना है। ...**(व्यवधान)**...

THE MINISTER OF FINANCE; AND THE MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS (SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Sir, the hon. Leader of the Opposition says, आप जब बुला रहे हैं...**(व्यवधान)**... कमरे में बात करेंगे, लीडर ऑफ दि हाउस के साथ।...**(व्यवधान)**... वे उस पर बोल रहे हैं कि नहीं, नहीं, ये सब बातें इधर करनी हैं।...**(व्यवधान)**... सभापति जी, क्या मैं याद दिलाऊं? ...**(व्यवधान)**...महोदय, जब प्रणब मुखर्जी जी इस हाउस के मेम्बर थे, मंत्री थे, तब हमारे किरेन रिजिजु,...**(व्यवधान)**... जो अभी मिनिस्टर हैं, वे अरुणाचली हैं...**(व्यवधान)**... उन्होंने इसी विषय के ऊपर,...**(व्यवधान)**...चीन के एग्रेशन पर बात करने के लिए नोटिस दिया था।...**(व्यवधान)**... तब प्रणब मुखर्जी जी ने किरेन रिजिजु जी से बोला था कि कमरे में आकर बात करो। ...**(व्यवधान)**... सभापति महोदय, आप तो चेयरमैन हैं, अभी आप बुला रहे हैं, लेकिन मंत्री जी...**(व्यवधान)**... इस विषय पर इधर बात नहीं करनी है, कमरे में आकर करनी है - ऐसा कहने वाले प्रणब मुखर्जी जी थे। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Mr. Sharad Pawar wants to say something on Covid. ...(*Interruptions*)... No! ...(*Interruptions*)... Now, Dr. Sikander Kumar. ...(*Interruptions*)...

Dilapidated state of roads in Chamba and Lahaul Spiti districts of Himachal Pradesh

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश) : माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान हिमाचल प्रदेश के जिला चम्बा की पांगी घाटी की सड़कों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।...**(व्यवधान)**... आज़ादी के बाद हिमाचल प्रदेश में बहुत-सी सड़कें पक्की व चौड़ी हो चुकी हैं, मगर पांगी घाटी में बी.आर.ओ. द्वारा थिरोट (लाहौल-स्पीति), संसाटी नाला (पांगी) सड़क ...**(व्यवधान)**...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सभापति जी, सरकार चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए हम सदन से बायकॉट कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

(At this stage some Hon. Members left the Chamber.)

डा. सिकंदर कुमार : महोदय, करीब 40 वर्ष पहले सिंगल लेन उबड़-खाबड़ बनाई गई थी, लेकिन आज तक न तो उसका विस्तारीकरण किया गया, ...**(व्यवधान)**... और न ही उसे चौड़ा किया गया और न ही उक्त सड़क को पक्का किया गया। ...**(व्यवधान)**...वाया साच-पास सड़क को बनाए हुए भी करीब 30 वर्ष हो चुके हैं, ...**(व्यवधान)**...लेकिन इस सड़क को भी न तो पक्का किया गया और न ही चौड़ा किया गया। ...**(व्यवधान)**...घाटी को अन्य जिलों व अपने जिले से जोड़ने वाली सड़कों

को पक्का व चौड़ा किया जाना अति आवश्यक है, अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि वह इस ओर ध्यान दे और उचित कार्यवाही करे। ...**(व्यवधान)**...

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need to stop the practice of writing names of great personalities in short form in English at public places

सुश्री कविता पाटीदार (मध्य प्रदेश) : माननीय सभापति महोदय, मुझे अपनी बात रखने का अवसर देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन, सरकार और सभी का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहती हूं कि भारत की इस पवित्र धरा पर कई महापुरुषों ने जन्म लिया है, जिनका जीवन दर्शन हम सबके लिए आदर्श के रूप में, प्रेरणा के रूप में एक पथ प्रदर्शक है। इनके नामों के द्वारा, इनके कार्यों को सदियों तक याद रखा जा सके और इनके सिद्धांत और इनके विचार आने वाली युवा पीढ़ी को मार्गदर्शित करते रहें, इस भावना के साथ कई भवनों, विश्वविद्यालयों और मार्गों का नामकरण महापुरुषों के नाम पर किया जाता है, परंतु आजकल एक नई परंपरा का चलन देखने को मिल रहा है, जिसे हमें निश्चित रूप से ठीक करने की आवश्यकता है। यह परम्परा नामों को शॉर्ट फॉर्म में लिखने और पढ़ने की है। जैसे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय डी.ए.वी.वी. हो गया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय आर.डी.वी.वी., शहीद भीमा नायक कॉलेज एस.बी.एन. कॉलेज, रविन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, आर.एन.टी. मार्ग, राममनोहर लोहिया अस्पताल आर.एम.एल. अस्पताल, महाराणा प्रताप नगर को एम.पी. नगर बोला जाता है तो तात्यां टोपे नगर को टी.टी. नगर बोला जाता है। बिशम्भर दास मार्ग को बी.डी. मार्ग और दीनदयाल उपाध्याय मार्ग को डी.डी.यू. मार्ग बोला जाता है।

देश भर में ऐसे कई स्थान हैं, जिनके महापुरुषों के नाम से नामकरण हुए हैं, लेकिन उन्हें शॉर्ट फॉर्म में बोलने की परम्परा सी हो गई है। हद तो तब हो जाती है, जब टैक्सी ड्राइवर और चालक से हम किसी जगह का पूर्ण नाम लेकर पता या स्थान के बारे में पूछते हैं तो वह अनभिज्ञ रहता है, उसे पता नहीं होता है और जब हम शॉर्ट फॉर्म बोलते हैं तो वे हमें अपने गंतव्य तक पहुंचा देते हैं।